Result Mitra

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

9

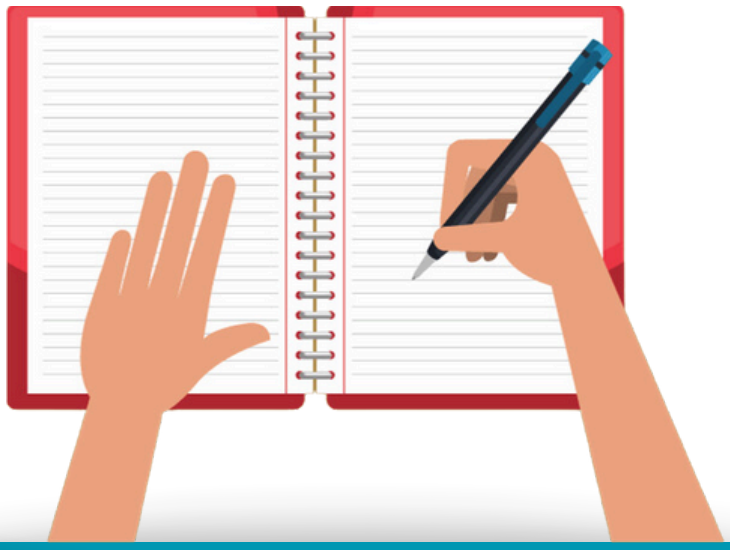

पोखरण परमाणु विस्फोट की कहानी और परमाणु पाबंदी

चर्चा में क्यों :

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि अमेरिकी सरकार भारतीय परमाणु संस्थाओं पर लगे प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया में कड़ा कदम उठाने जा रही है ताकि भारत के साथ ऊर्जा संबंध स्थापित किये जा सके।

ज्ञातव्य है कि मई 1998 में भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षण किया था। इस बात पर अमेरिका की ओर से भारत की कई अग्रणी परमाणु कंपनियों पर पाबंदियां लगा दी थी। यह इसलिए भी अहम है क्योंकि बीते महीने ही अमेरिका ने पाकिस्तान की कई परमाणु कंपनियों पर बैन लगाया था।

पहला परमाणु परीक्षण

1962 के भारत-चीन युद्ध और 1965 के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद भारत ने महसूस किया था कि उसे राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत करने के लिए परमाणु हथियार विकसित करने की आवश्यकता है।

नेतृत्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत ने 18 मई 1974 को राजस्थान के पोखरण में स्माइलिंग बुद्धा नामक पहला परमाणु परीक्षण किया।

9 Jan | P1

दूसरा परमाणु परीक्षण

1998 (ऑपरेशन शक्ति)

पृष्ठभूमि

1990 के दशक में भारत के पड़ौसी देशों (चीन और पाकिस्तान) की परमाणु गतिविधियों ने भारत के लिए सुरक्षा का नया खतरा पैदा किया।

अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारत ने 11 व 13 मई 1998 को पोखरण में पाँच परमाणु परीक्षण किये।

Result Mitra

पोखरण परीक्षण का महत्व

- राष्ट्रीय सुरक्षा
- वैज्ञानिक उपलब्धि
- वैश्विक शक्ति संतुलन
- भविष्य की दिशा

दैनिक भास्कर

आज का इतिहास

जय जवान, जय किसान के बाद जय विज्ञान

11 और 13 मई 1998 को भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किए थे

इन परीक्षणों के बाद अमेरिका समेत कई देशों ने लगाए थे प्रतिबंध

पश्चिमी देशों की चिंताएँ

(i) NPT और CTBT का उल्लंघन

(ii) क्षेत्रीय अस्थिरता

(iii) परमाणु हथियारों की होड़

पश्चिमी देशों का बदला हुआ दृष्टिकोण

1998 के बाद धीरे-धीरे पश्चिमी देशों ने भारत को एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति के रूप में मान्यता देना शुरू किया।

- अमेरिका ने 2005 में भारत के साथ सिविल न्यूक्लियर डील की जिसमें परमाणु तकनीकि और असैनिक जरूरतों को समझते हुए सहयोग बढ़ाया गया।
- भारत का नो फर्स्ट यूज (No first use) सिद्धान्त और उसके परमाणु हथियारों के सीमित उपयोग की नीति ने भी पश्चिम देशों के बीच भारत के प्रति भरोसा जगाया।

पोखरण परमाणु विस्फोट की कहानी और परमाणु पाबंदी

भारत का परमाणु सिद्धांत: मुख्य बिंदु

1. '**नो फर्स्ट यूज' (No First Use) की नीति:**
   - भारत ने यह घोषणा की है कि वह पहले परमाणु हमला नहीं करेगा।
   - परमाणु हथियारों का उपयोग केवल तभी किया जाएगा जब भारत पर परमाणु या बड़े पैमाने पर विनाशकारी हथियारों से हमला हो।
2. **न्यूनतम प्रतिरोधक क्षमता (Credible Minimum Deterrence):**
   - भारत अपने परमाणु हथियारों का केवल प्रतिरोधक शक्ति बनाए रखने के लिए उपयोग करेगा।
   - इसका मतलब है कि भारत के पास केवल उतने हथियार होंगे, जितने दुश्मनों को हतोत्साहित करने के लिए आवश्यक हैं।
3. **नागरिक नियंत्रण (Civilian Control):**
   - भारत में परमाणु हथियारों का नियंत्रण पूरी तरह से राजनीतिक नेतृत्व के अधीन है।
   - परमाणु कमांड अथॉरिटी (NCA) इस जिम्मेदारी को निभाती है:
     - राजनीतिक परिषद (Political Council): अंतिम निर्णय लेने वाली संस्था।
     - कार्यकारी परिषद (Executive Council): परमाणु हथियारों से जुड़े तकनीकी और सैन्य मामलों पर सलाह देती है।
4. **गैर-लक्षित परमाणु हथियार (Non-targeted Nuclear Weapons):**
   - भारत अपने परमाणु हथियारों को किसी विशेष देश के खिलाफ लक्षित नहीं करता।
   - यह एक 'No Enemy Policy' का अनुसरण करता है।
5. **सामूहिक विनाशकारी हथियारों का विरोध:**
   - भारत ने परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने के लिए ग्लोबल डिसआर्मामेंट का समर्थन किया है।
   - भारत परमाणु अप्रसार संधि (NPT) और व्यापक परीक्षण प्रतिबंध संधि (CTBT) पर हस्ताक्षर नहीं करता, क्योंकि ये भारत को भेदभावपूर्ण लगती हैं।
6. **परमाणु हमले का जवाब:**
   - भारत ने यह स्पष्ट किया है कि यदि उस पर परमाणु हमला होता है, तो वह इसका जवाब भारी और प्रभावी प्रतिशोध (Massive Retaliation) से देगा।

साइबर हमलों में भारत का दूसरा स्थान

9 Jan/24

साइबर इंटेलिजेंस फर्म क्लाउडएसईके की हालिया रिपोर्ट के अनुसार 2024 में भारत साइबर हमलों के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर रहा इस अवधि में 95 भारतीय संस्थाओं पर डेटा चोरी के हमले हुए।

वैश्विक रैंकिंग में अमेरिका 140 हमलों के साथ पहले स्थान पर रहा जबकि इजराइल 57 हमलों के साथ तीसरे स्थान पर था।

क्लाउडएसईके - cloudsek

क्लाउडएसईके एक साइबर इंटेलिजेंस कंपनी है जो इंटरप्राइजेज और संगठनों को साइबर खतरों से बचाने के लिए डिजिटल सुरक्षा प्रदान करती है

- यह कंपनी खतरे की जानकारी डेटा उल्लंघन रेनसमवेयर हमले और साइबर खतरों के बारे में सटीक जानकारी और विश्लेषण प्रदान करती है

साइबर हमलों में भारत का दूसरा स्थान

भारत की साइबर सुरक्षा नीति: प्रमुख बिंदु

1. **राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति (NCSP), 2013**
   - भारत की पहली औपचारिक साइबर सुरक्षा नीति, जिसे 2013 में लागू किया गया।
   - उद्देश्य:
     - महत्वपूर्ण सूचना बुनियादी ढाँचे (Critical Information Infrastructure - CII) की सुरक्षा।
     - साइबर सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत करना।
     - डेटा गोपनीयता सुनिश्चित करना।
   - मुख्य पहल:
     - साइबर खतरों के लिए राष्ट्रीय और राज्य-स्तरीय CERT (Computer Emergency Response Team) की स्थापना।
     - साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।
2. **राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति (NCSS), 2021 (प्रस्तावित)**
   - 2021 में प्रस्तावित, परंतु अभी तक लागू नहीं।
   - उद्देश्य:
     - साइबर रेजिलिएंस को बढ़ावा देना।
     - महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे और व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा।
     - डिजिटल अर्थव्यवस्था को सुरक्षित बनाना।
   - प्रस्तावित कदम:
     - साइबर सुरक्षा बजट में वृद्धि।
     - साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय कोष (Cyber Security Fund)।
     - निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के बीच सहयोग।

Result Mitra

9 Jan/PS

पलास बिल्ली चर्चा में

* पलास बिल्ली जिसे मनुल भी कहा जाता है। हिमालयी क्षेत्रों में पायी जाने वाली एक दुर्लभ और शर्मीली बिल्ली है। हाल ही इसे हिमाचल प्रदेश में देखा गया है।
* इससे पहले साल 2012 में यह बिल्ली देखी गई थी।
* पलास बिल्ली एक छोटी मोटी और घनी फर वाली बिल्ली है।
* इसे मेनुल भी कहा जाता है।
* यह घरेलू बिल्ली के आकार की होती है।
* इसका सिर 18-26 इंच होता है।
* पूंछ 8.3 से 12.2 इंच लंबी होती है।
* वजन 2.5 - 4.5 kg
* इसका नाम पीटर साइमन पल्लास के नाम पर रखा गया था।
* 1776 में उन्होंने इसका वर्णन किया था।
* यह भारत के हिमालयी क्षेत्रों में पायी जाती है।

Result Mitra

पल्लास बिल्ली की हालिया खोज

वैज्ञानिक नाम: Otocolobus manual

भारत में पल्लास बिल्ली की हालिया खोज

1. खोज का महत्व:
   - 2023 में लद्दाख के हेमिस नेशनल पार्कमें इसकी उपस्थिति की पुष्टि हुई।
   - यह खोज भारत की जैव विविधता और हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण है।
2. पर्यावरणीय महत्व:
   - यह एक छत्र प्रजाति (Umbrella Species) है, जिसका संरक्षण पूरे पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा में सहायक है।
   - इसकी उपस्थिति हिमालयी क्षेत्र में स्थिर पारिस्थितिकी तंत्र का संकेत है।

संबंधित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहल

1. भारत में संरक्षण प्रयास
   - प्रोजेक्ट स्नो लेपर्ड (Project Snow Leopard):
     - हिमालयी क्षेत्र की जैव विविधता और वन्यजीव संरक्षण के लिए एक विशेष पहल।
   - स्थानीय समुदायों का जुड़ाव:
     - पल्लास बिल्ली के संरक्षण में स्थानीय समुदायों की भागीदारी बढ़ाई जा रही है।
2. अंतर्राष्ट्रीय पहल
   - CITES (Convention on International Trade in Endangered Species):
     - यह प्रजाति CITES के तहत संरक्षित है, जिससे इसके व्यापार पर रोक लगती है।
   - UNEP:
     - जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और ठंडे क्षेत्रों के पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने के लिए पहल।

बहादुर सिंह सागु भारतीय एथलेटिक्स महासंघ

एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता और पद्म श्री से सम्मानित बहादुर सिंह सागू को भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI) के नए अध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया है

शॉट पुट में 2002 एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले सागू ने एएफआई के तीन बार लगातार अध्यक्ष रहे आदिले सुमारीवाला का स्थान लिया।

सुमारीवाला का कार्यकाल

- भारतीय एथलेटिक्स ने पिछले 12 वर्षों में महत्वपूर्ण विकास देखा।
- डोपिंग जैसी समस्याओं को हल करने की जिम्मेदारी
- अधिक आयु के एथलीट पर निगरानी
- भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की स्थापना 1946 में हुई

बहादुर सिंह सागू को भारतीय एथलेटिक्स महासंघ

खेल करियर

- एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक: 2002 बुसान एशियाई खेलों में पुरुषों की शॉटपुट स्पर्धा में 19.03 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता।
- ओलंपिक सहभागिता: 2000 सिडनी और 2004 एथेंस ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

प्रशासनिक भूमिका

- भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI) के अध्यक्ष: जनवरी 2025 में आयोजित AFI की वार्षिक आम बैठक में अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुने गए, आदिल सुमरिवाला की जगह ली।
- एथलीट आयोग के प्रतिनिधि: पूर्व में AFI की कार्यकारी परिषद के सदस्य के रूप में सेवा की।
- सीनियर चयन समिति के सदस्य: भारतीय एथलेटिक्स के चयन प्रक्रियाओं में योगदान दिया।

सम्मान

- पद्मश्री पुरस्कार: खेल में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित।

ब्रिक्स संगठन में इंडोनेशिया की एंट्री

9 Jan / P7

* 6 जनवरी 2025 को ब्राजील ने आधिकारिक रूप से घोषणा की कि इंडोनेशिया ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बन गया है।

* इंडोनेशिया जो कि दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम बहुल्य देश है अब ब्रिक्स का दसवां सदस्य है।

* ब्रिक्स देशों का संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद GDP वैश्विक GDP का लगभग 35.6% है।

* BRICS ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के पांच उभरते देशों का एक समूह है। इन देशों के पहले अक्षरों से मिलकर इसका नाम ब्रिक्स बना है।

* – स्थापना- 2009
* – मुख्यालय - शंघाई चीन
* – साल 2010 में दक्षिण अफ्रीका इसमें शामिल हुआ।
* – 1 जनवरी 2024 को मिस्र इथियोपिया ईरान सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात भी ब्रिक्स में शामिल हैं।

Result Mitra

@resultmitra www.resultmitra.com

ब्रिक्स संघटन में इंडोनेशिया की एंट्री

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ और पहल

1. न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB):
   - 2014 में BRICS देशों ने NDB की स्थापना की।
   - मुख्यालय: शंघाई, चीन।
   - उद्देश्य: विकासशील देशों में बुनियादी ढाँचे और सतत विकास परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण।
2. कंटीजेंसी रिजर्व अरेंजमेंट (CRA):
   - 2015 में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने और सदस्य देशों को आर्थिक संकट से निपटने में मदद के लिए CRA की स्थापना की गई।
   - प्रारंभिक कोष: 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर।
3. व्यापार और निवेश:
   - BRICS देशों ने आपसी व्यापार को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं।
   - इन देशों के बीच व्यापार 2022 में 450 बिलियन डॉलर से अधिक था।
4. BRICS नेटवर्क विश्वविद्यालय और विज्ञान सहयोग:
   - शिक्षा और अनुसंधान में सहयोग को बढ़ावा देना।
5. ब्रिक्स पेमेंट सिस्टम:
   - सदस्य देशों के बीच व्यापार के लिए डॉलर पर निर्भरता को कम करने के उद्देश्य से एक वैकल्पिक भुगतान प्रणाली का प्रस्ताव।

वी नारायणन होंगे अगले इसरो चीफ

9 Jan/25

डॉ. वी नारायणन को 7 जनवरी 2025 को इसरो का 11वाँ अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग का सचिव नियुक्त किया गया वे 14 जनवरी 2025 को पदभार ग्रहण करेंगे।

ज्ञातव्य है कि वर्तमान अध्यक्ष एस. सोमनाथ का कार्यकाल 14 जनवरी को समाप्त हो रहा है

इसरो का योगदान

- उपग्रह प्रक्षेपण
- अंतरिक्ष मिशन
- अंतरिक्ष विज्ञान

Result Mitra

इसरो के आगामी मिशन

गगनयान

चंद्रयान-4

चंद्रयान-5

NISAR

स्पैडेक्स

दुनिया की प्रमुख एजेंसियां

चीन (CNSA)
- स्थापना - 1993

रूस (RFSA)
स्थापना - 1992

भारत (ISRO)
स्थापना - 1969

Result Mitra